हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

निजी स्कूल की मनमानी से परेशान अभिभावक

नारायणगंज। नई सत्र चालू होते ही प्राइवेट स्कूलों की मनमानी चालू हो जाती है स्कूल द्वारा मनमानी ढंग से फीस वसूली की जाती है और महंगी किताबें को बेचा जा रहा है प्राइवेट स्कूलों में पास पुस्तक निगम की पुस्तकों के साथ प्राइवेट पुस्तक दी जा रही हैं जिसके कारण छात्रों का बस्ता का बोझ और भी अधिक हो जाता है प्राइवेट स्कूल के प्रिंसिपल द्वारा किसी एक दुकानदार से काफी पुस्तक लेने के लिए अभिभावकों को बाध्य किया जा रहा है कक्षा एक की बुक जिसकी कीमत 192 है परंतु प्राइवेट स्कूल में इसके साथ अन्य पुस्तकों जिनकी कीमत 14 00 से 1500 रुपए है इस तरह प्राइवेट स्कूलों की मनमानी चल रही है मनमानी फीस ली जा रही है और सुविधा में कोई व्यवस्था बच्चों के लिए नहीं है ना तो पीने का पानी शुद्ध और ना ही खेलने का मैदान बंद कमरे में स्कूल का संचालन किया जाता है प्राइवेट स्कूलों में अभिभावकों को रसीद नहीं दी जाती इस कदर की मनमानी से लोग परेशान हैं हर वर्ष लाखों रुपए प्राइवेट स्कूल कमा रहे हैं शिक्षा अधिकारी राजेश विश्वकर्मा द्वारा शिकायत प्राप्त होने पर प्राइवेट स्कूलों की जांच की जा रही है जिसमें ऐसी कई व्यवस्थाएं स्कूल के अंदर नहीं मिल रही हैं ऐसे स्कूलों जो की अपने मनमाने ढंग से फीस ली जा रही है सुविधा के नाम में कोई व्यवस्था नहीं है मिली जानकारी के अनुसार प्राइवेट स्कूल के द्वारा पुस्तक से लेकर कापी एवं ड्रेस किसी एक दुकानदार के पास रखवा कर बेची जा रही है अतः उच्च अधिकारी से निवेदन है कि तत्काल ऐसे स्कूलों पर ठोस कार्रवाई की जावे एवं मान्यता खत्म की जाए।

मार्बल सिटी हॉस्पिटल के नाम पर साइबर फ्रॉड से हड़कंप

ऑनलाइन एडमिशन के बहाने 1 लाख की ठगी

*** लैंडलाइन पर बात के बाद भेजा गया संदिग्ध लिंक।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जबलपुर स्थित मार्बल सिटी हॉस्पिटल के नाम पर कथित ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आने के बाद मरीजों और उनके परिजनों में चिंता बढ़ गई है। आरोप है कि अस्पताल के आधिकारिक लैंडलाइन नंबर पर संपर्क करने वाले एक व्यक्ति को ऑनलाइन एडमिशन के नाम पर संदिग्ध लिंक भेजा गया। लिंक पर मरीज की जानकारी भरकर मात्र 5 का भुगतान करते ही उसके बैंक खाते से 1 लाख की राशि निकल गई। मामले की शिकायत पुलिस थाना लाडगंज, जबलपुर तथा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराई गई है।

पीड़ित के अनुसार उसने इलाज संबंधी जानकारी के लिए अस्पताल के लैंडलाइन नंबर पर संपर्क किया था। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने स्वयं को अस्पताल का कर्मचारी बताते हुए पहले ऑनलाइन एडमिशन कराने की बात कही। इसके बाद एक निजी मोबाइल नंबर से लिंक भेजकर केवल 5 की औपचारिक शुल्क जमा करने को कहा गया। जैसे ही पीड़ित ने लिंक पर जानकारी भरकर भुगतान किया, उसके खाते से 1 लाख की राशि कट गई।

घटना के बाद पीड़ित ने अस्पताल प्रबंधन से संपर्क किया। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि उनके लैंडलाइन नंबर को हैक कर लिया गया है और उसी के माध्यम से लोगों को फर्जी लिंक भेजे जा रहे हैं।

हालांकि, इस दावे पर भी कई सवाल उठ रहे हैं। तकनीकी जानकारों का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में किसी लैंडलाइन नंबर का इस प्रकार दुरुपयोग होना आसान नहीं है। यदि आज भी उसी नंबर पर कॉल करने पर अस्पताल में ही कॉल रिसीव हो रही है, तो पूरे मामले की तकनीकी जांच आवश्यक है ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा है कि कॉल रिकॉर्ड, लिंक भेजने वाले नंबर और संबंधित तकनीकी पहलुओं की गहन जांच कराई जाए। यदि किसी व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

सतर्क रहने की अपील

विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अस्पताल या संस्था के नाम पर प्राप्त लिंक पर बिना सत्यापन के भुगतान न करें। ऑनलाइन भुगतान से पहले संबंधित संस्था से आधिकारिक माध्यम से पुष्टि अवश्य करें तथा किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

इस संबंध में जानकारों ने बताया कि कभी भी इस तरह की संस्थाओं के हेल्पलाइन नम्बर गूगल के माध्यम से न निकाले चूंकि सायबर ठगी में लगे लोग इस तरह की बेवसाइट के ऊपर अपनी नकली बेवसाइट रैंक कराकर रखते हैं और यही कारण है कि सर्च करने वाला व्यक्ति इन नकली बेवसाइट को असली समझ लेता है और उसमें जो नम्बर उल्लेखित होते हैं उनसे सम्पर्क करता है और इसी का फायदा ये सायबर ठग उठाते हैं जिस तरह अस्पतालों की बेवसाइट का उपयोग ठगी के लिये किया जा रहा है ठगबाज अच्छी तरह जानते हैं कि अस्पताल से सम्पर्क करने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान होता है और उस दौरान उससे गलती होना स्वाभाविक बात होती है और इसी मानसिक दशा का फायदा उठाकर ठगबाज लोगों को ठग रहे हैं।

यहां उन अस्पतालों की जबावदारी बढ़ जाती है जिनकी बेवसाइट के ऊपर इस तरह की नकली बेवसाइट रेंक कर रही होती है उन्हें लगातार इस संबंध में जागरूक रहना चाहिये और ऐसी किसी भी नकली बेवसाइट को लेकर गूगल के माध्यम से या अन्य माध्यम से कार्यवाही कराना चाहिये।

नशामुक्त मंडला के लिए जन भागीदारी सबसे बड़ी ताकत-कलेक्टर

*** अगले 3 वर्षों में ड्रग फ्री मंडला बनाने का लक्ष्य-एसपी**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता अभियान, विभागीय समन्वय एवं कार्ययोजना की समीक्षा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि नशामुक्ति अभियान को जन अभियान बनाना आवश्यक है, हमें इसकी शुरुआत अपने घर और परिवार से करनी होगी। उन्होंने उद्योग विभाग, आरटीओ, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर व्यापक जनजागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने कहा कि जिले को आगामी तीन वर्षों में नशामुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी विभागों, स्वयंसेवी संगठनों और आमजन के सहयोग से सतत जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिससे समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़े और लोग इससे दूर रहने के लिए प्रेरित हों। बैठक में उनके द्वारा बताया गया कि 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जिले में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत पंचायतों एवं विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा नशामुक्त गांव की अवधारणा को बढ़ावा दिया जाएगा।

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में एनसीओआरडी के तहत 82 प्रकरणों पर कार्रवाई की गई है तथा एनडीपीएस अधिनियम के तहत 3 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। साथ ही कुल 111 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 138 स्वयंसेवक नशामुक्ति अभियान से जुड़े हैं। बैठक में नशामुक्त मित्र तैयार करने एवं विभिन्न स्तरों पर जनजागरूकता गतिविधियां बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

इस दौरान बैठक में एडीएम राजेन्द्र कुमार सिंह, एडिशनल एसपी शिवकुमार वर्मा, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के हर बूथ तक एसटी मोर्चा देगी डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण

*** भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई एसटी मोर्चा की बैठक।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सोमवार को प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार एवं जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के मार्गदर्शन में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, डिजिटल लर्निंग प्रभारी प्रीतम मरावी, प्रदेश अनुसूचित जनजाति मोर्चा के उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, प्रदेश कोषाध्यक्ष आसाराम भारतीया, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रुचिराम गुरुवाणी, भाजपा जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा,जिला महामंत्री एसटी मोर्चा सुधीर मरावी, जिला महामंत्री एसटी मोर्चा टेकचंद पन्द्रो, मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. विजय सरवटे, विजय आनंद मरावी, जिला अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा शिवप्रसाद पुसाम सहित जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में आगामी डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि अनुसूचित जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ता जिले के प्रत्येक बूथ तक पहुंचकर डिजिटल साक्षरता एवं संगठनात्मक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है तथा इसके माध्यम से कार्यकर्ता आधुनिक तकनीक से जुड़कर संगठन की गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचा सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिले के 1051 बूथों पर चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। इस दौरान अनुसूचित जनजाति एसटी मोर्चा के अनेक कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक

वर्षाकाल के दौरान नौका संचालन व फिशिंग पर रहे पूर्ण प्रतिबंध-डीएम

लापरवाही पर नगरपालिका इंजीनियर को नोटिस

*** डायरिया के प्रत्येक प्रकरण की सतत ट्रेकिंग के निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने कहा कि वर्षाकाल में साहस्त्रधारा एवं अन्य जलाशयों में जलस्तर बढ़ने के कारण नौका संचालन एवं फिशिंग जैसी गतिविधियाँ पूर्णतः प्रतिबंधित रहें। उन्होंने सभी नौकाओं की फिटनेस जाँच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बढ़े जलस्तर के बावजूद नियमविरूद्ध नौका संचालन होने पर नगर पालिका के इंजीनियर श्री जयप्रकाश डहरिया को लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ लोगों के जीवन के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले में वर्षाकाल तक फिशिंग एवं नौका संचालन न हो। कलेक्टर श्री धोटे जिला योजना भवन में आयोजित टीएल बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि 500 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर प्रति शिकायत 1000 रुपये का दंड लगाया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व एवं नगरीय आवास विभाग को लंबित प्रकरणों के निराकरण पर फोकस करने के निर्देश दिए। बैठक में भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार तथा मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के अंतर्गत श्रमिक पंजीयन बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही मानधन योजना के अंतर्गत भी श्रमिक पंजीयन बढ़ाने को कहा।

डायरिया के प्रत्येक प्रकरण की सतत ट्रेकिंग के निर्देश

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में एंटी वेनम एवं दवाओं की उपलब्धता संबंधी जानकारी प्रदर्शित कराना सुनिश्चित करें। डायरिया के मामलों की सतत निगरानी के लिए जिला अस्पताल में केस ट्रैकिंग की व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी विकासखंडों के बीएमओ प्रतिदिन एसडीएम को डायरिया मरीजों की जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई कर संक्रमण के प्रसार को रोका जा सके।

बैठक में 16 जुलाई को जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल के प्रस्तावित सांदीपनि विद्यालय अंजनिया भ्रमण एवं उसी दिन आयोजित होने वाले एनीमिया मुक्त मंडला अभियान के शुभारंभ की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही कलेक्टर श्री धोटे ने प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण कार्य की समीक्षा करते हुए बताया कि अब तक 2882 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने इस कार्य में और गति लाते हुए संख्या बढ़ाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान बैठक में सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, एडीएम राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर संस्कार बावरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

13 जुलाई से शुरू हुआ दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जिले में शासन की महत्वाकांक्षी दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण का शुभारंभ 13 जुलाई से किया गया है। कलेक्टर मंडला की अध्यक्षता में संचालित इस अभियान का उद्देश्य पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन, संतुलित पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन एवं नस्ल सुधार संबंधी जानकारी प्रदान कर दुग्ध उत्पादन और गुणवत्ता में वृद्धि करना है।

उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले के 218 सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारियों, गो-मैत्री एवं गौसेवकों द्वारा ऐसे पशुपालकों से संपर्क किया जाएगा, जिनके पास 3 से 4 गाय अथवा भैंस हैं। अभियान के दौरान पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा। जिले के 958 गांवों में पहुंचकर लक्षित पशुपालकों को अभियान से जोड़ा जाएगा। यह विशेष संपर्क अभियान 13 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक संचालित होगा।

अभियान के दौरान एकत्रित सभी जानकारियां मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज की जाएंगी। साथ ही पशुपालकों को गोरस ऐप की जानकारी देकर उनके मोबाइल में ऐप इंस्टॉल कराया जाएगा तथा उसके उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

अभियान के प्रथम दिवस उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. ए.एस. तिवारी एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. सुमित कुमार पटेल ने संचालित पशु चिकित्सा इकाई के माध्यम से पशुपालकों से संवाद कर उन्हें वैज्ञानिक पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी प्रदान की।

पड़रिया पंचायत करा रही शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया और नारायणगंज में शासकीय जमीन नवीन हाई स्कूल के आसपास अवैध अतिक्रमण किया जा रहा है जो की सरपंच और सचिव के जानकारी में है विगत माह में पंचायत द्वारा पक्के निर्माण बाली अतिक्रमण को हटाया गया था क्योंकि नवीन हाई स्कूल के आसपास अतिक्रमण किया गया था जिसको हटाया गया परंतु कुछ दिनों बाद धीरे-धीरे पुनः उसी जगह में अतिक्रमण किया जा रहा है यह अतिक्रमण शासकीय अवकाश के दिनों में किया जाता है जिसके कारण अधिकारियों की नजर इन अतिक्रमण कार्यों पर नहीं पड़ रही है रातों-रात अतिक्रमण किया जा रहा है परंतु पंचायत के सरपंच सचिव चुप बैठे हैं नवीन हाई स्कूल के के मुख्य द्वारा के सामने में भी अतिक्रमण किया गया है जो की अभी तक नहीं हटाया गया है इस सब की जानकारी सरपंच सचिव एवं संबंधी अधिकारियों को भी है परंतु न जाने किस कारण अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा है इस संबंध में 181 एवं कोर्ट से स्टे लगा हुआ है परंतु उसके बाद भी रातों-रात अवैध कब्जा सास की जमीन पर किया जा रहा है अतः उच्च अधिकारी से निवेदन है कि तत्काल ठोस कार्रवाई की जावे।

खबर संक्षेप

दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में बस यात्रियों को बारिश व गर्मी से बचने के लिए नहीं है कोई साधन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय चल रहे भीषण गर्मी के सीजन में उमस भरी गर्मी से परेशान होते हुए देखे जा रहे है। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि दादा धूनी वालों की नगर में बस स्टेन्ड के आभाव के चलते जहां सूरज की तेज तपन के बाद अब कुछ दिनों के बाद होने जा रही बरसात के मौकसम में बारिश में बसयात्रियों को भीगते हुए अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पडेगा। वही गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है। इस नगर में देखा जाता है कि बाहर से आने वाले यात्री पानी और छॉव की तलाश में इतने बडे नगर में किसी भी प्रकार से बस स्टेन्ड नही होने के कारण बस यात्रियों को सदा ही परेशान होते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि साईंखेड़ा में स्थाई बस स्टेण्ड एवं यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा न होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नर्मदा नदी के झिकोली पर पुल का निर्माण होने के कारण जहां यह क्षेत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल से जुड गया है जिसके चलते यहॉ से प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिलवानी, उदयपुरा, मेहरागॉव, सिरसिरी, रायसेन, भोपाल सहित अनेको यात्री बसे निकलते है एवं झिकोली के लिये लगभग 25 टायमिंग बसे निकलती है। परन्तु विभिन्न स्थानों के लिये जाने वाले बस यात्रियों को बसों के इंतजार के लिये सड़क पर पेड़ के नीचे या फिर चाय पान की दुकानों पर बैठना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो महिला बस यात्रियों के लिये ऐंसी स्थिति में सर्वाधिक परेशानी होती है, जिसमें यहां पर स्थापित ब्लाक कार्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय सहित महाविद्यालय की स्थापना हो जाने के कारण अनेक महिलाओं के आलवा छात्राओं द्वारा बसो के माध्यम से ही आना जाना किया जाता है, मगर वह बस स्टेण्ड पर न होने के कारण यहां वहां भटकते हुए देखी जाती है, वही दूसरी ओर न तो महिलाओं के लिए यहां पर शौचालय है और न ही प्रसाधन की कोई सुविधा है जिसके कारण सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को भी ग्रहण लगने में कोई कसर बाकी दिखाई नही दे रही है, इस प्रकार के सच्चाई के चलते स्थानीय लोगो का कहना है कि यदि मवेशी बाजार का अतिक्रमण हटाकर एक सुविधायुक्त बस स्टेण्ड बना दिया जाये तो नगरवासियों के लिये एक बड़ी सौगात मिल जायेगी, वही दूसरी ओर दूर दूर से आने वाले धूनी वाले दादा के भक्तों को भी सुविधा मिलेगी, जिसके चलते क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के लोगों द्वारा जनापेक्षा व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई जा रही है यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय एवं सुविधायुक्त बस स्टेण्ड की स्थापना की जाये।

सड़कों पर धडल्ले से नाबांलिग किशोर दौड़ा रहे है वाहन, अपने साथ साथ दूसरों की जान को भी डाल रहे खतरे में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या और तेज गति से वाहनों का सड़कों पर दोड़ना वैसें ही दुर्घटनाओं का आमंत्रण देते दिखाई दे रहा है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर की सड़कों पर जिस प्रकार से नाबांलिग किशोरों को दो पहिया वाहन दौड़ाते हुए देखा जाता है उससे उनकी जान को तो खतरा बन ही रहा है साथ ही साथ दूसरों की जान को भी खतरा पैदा करते हुए देखे जा रहे है? जिसमे प्रमुख रूप से देखा जावे तो स्कूली बच्चों का दो पहिया वाहन चलाना दूसरो के लिए खतरा बना हुआ है, क्योंकि इस समय नगर में देखा जावे तो अनेक जगहों पर 12 वर्ष सें लेकर 16 वर्ष की आयु वालें सैकड़ों किशोर व किशारियाँ वाहन चलाते दिख आसानी से दिखाई दे जाते है, इसे अभिभावक का बच्चों के प्रति लगाव कहे या भौमिकवाद की दौड़ में दिखावा जो बिना लाईसेंस के वाहन चला रहे कम उम्र के बालक बालिका नासमझी में हादसें का शिकार हो सकते है।

ओवरलोड कोयला डंपरों की धमाचौकड़ी से सड़कें बेहाल, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल, परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा मंच के माध्यम से घोषणा की जाती है कि मीड़िया द्वारा उजागर की जाने वाली खबरों को जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा गंभीरता से लेते हुये उन पर कार्यवाही की जावे। मगर बडे ही हैरत की बात है कि हमारे जिले में बैठे हुये अधिकारियों द्वारा किस तरह मुख्यमंत्री का आदेश की धज्जिया उड़ाते हुये उनके आदेश को कर किनार करने के साथ नियमों के विरूद्व कार्य करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है। इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गाडरवारा गोटीटोरिया से लेकर अन्य मार्गो पर आसानी से देखने मिल सकता है..। जहां पर धड़ल्ले से कोयला परिवहन करने वाले डम्फर ओवर लोड़िंग हालत में दौड़ते हुये देखे जाने की सच्चाई को उजागर किये जाने के बाद भी संबंधित विभाग की चुप्पी निश्चित तौर परिवहन विभाग के साथ साथ क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि गोटीटोरियों से प्रतिदिन सैकड़ो डम्फर कोलये का परिवहन होते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर समीपस्थ गरधा निवारी के समीपस्थ स्थित विद्युत पावर प्लांट को भी डम्फरों के माध्यम से कोयला पहुंचाया जा रहा है। मगर इन डम्फरों में हो रही ओवर लोड़िक का हाल यह तरह से बना हुआ है कि निर्धारित माप दंडो पर बनी हुई डम्फरों की ट्रालियों को वैसे भी अलग से निर्माण कराते हुये उनकी उच्चाई बढ़ा दी गई है। इसके बाद भी जिस तरह से ऊपर लोड़िग करते हुये ट्राली के ऊपर टिपुआ की तरह भरे जाने के चलते जब यह डम्फर सड़को पर दौड़ते है तो ट्राली से कोयला के पत्थर सड़क पर गिरने से नही चूकते है। इस स्थिति में आम राहगीर व वाहन चालको की जिन्दगी को खतरा बनने से नही चूक रहा है। इस तरह ओवर लोड़िग करते हुये किये जा रहे कोयला परिवहन के चलते क्षेत्र की सड़को को क्षति पहुंचने से नही चूक रही है। इस बात की सच्चाई गाडरवारा से गरधा होते हुये निवारी की ओर जाने वाले मार्ग के रूप में असानी से देखी जा सकती है। जहां पर कुछ साल पहले बनी हुई प्रधान मंत्री सड़क इन ओवर लोडिंग डम्फरों की धमाचौकड़ी के चलते अनेक जगहों पर धसक चुकी है तो अनेक जगहों पर बड़े बड़े गड्ढे नजर आने से नही चूक रहे है...? मगर हैरत इस बात है कि इस तरह इस तरह गाडरवारा गोटीटोरिया मार्ग से लेकर गरधा निवासी मार्ग सहित अन्य मार्गो पर दौड़ रहे इन ओवर लोड़िग डम्फरों की सच्चाई को मीडिया द्वारा प्रमुखता के साथ उजागर किये जाने के बाद भी परिवहन विभाग सहित स्थानीय अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना इस बात का संकेत देने से नही चूक रहा है कि शायद कोयला के ओवर लोड़िग कारोबार में परिवहन द्वारा अपनी ओर से मूंग स्वीकृति प्रदान की गई है..? इसी का परिणाम है कि जहां यह कोयल परिवहन करने वाले ओवर लोड़िंग डम्फर आमजन की स्थिति को खतरा पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है तो दूसरी ओर ग्रामीणों की सुविधा के लिये बनाई गई सड़को का नामो निशान मिटाने पर उतारू होते हुये नजर आने से नही चूक रहे है..? क्योंकि सरकार द्वारा ग्रामीणो की सुविधा को ध्यान में रखते हुये करोड़ो रूपया खर्च करते हुये पक्की सड़को का निर्माण तो कराया गया है। मगर यहां पर इस तरह दौड़ने वाले ओवर लोडिंग डम्फरों की धमाचौकड़ी के चलते वह सड़के सुरक्षित बच पाने की संभावना समाप्त होने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर सच्चाई उजागर होने के बाद भी अधिकारियों द्वारा इन ओवर लोडिंग डम्फरों की अनदेखी के चलते उनके हौसल बुलंद होते हुये दिखाई दे रहे है। इतना ही नही इन ओवर लोडिंग कोयला परिवहन करने वाले डम्फरों की धमाचौकडी के चलते स्कूली छात्राओं को भी परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि नगर के चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर इन भारी भरकम डम्फरों की लम्बी लाईन के दौरान छात्राओं को निकलने में परेशानियों का सामना करते हुये देखा जा रहा है। सही मायने में देखा जावे तो परिवहन विभाग की उदासीनता के चलते क्षेत्र के गोटीटोरियों से गाडरवारा व गरधा से निवारी की ओर जाने वाले मार्ग पर जिस स्थिति में खुलेआम ओवर लोडिंग कोयला के डम्फर दौडते हुये देखे जा रहे है। उनके चलते क्षेत्र की सड़को को क्षति पहुंच रही है तो दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिये भी खतरा बनने से नही चूक रहा है। क्योंकि कोयला परिवहन करने वाले इन भारी भरकम डम्फरों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि उन में लगी हुई ट्राली को निर्धारित मात्रा से लगभग तीन फिट तक अधिक निर्माण कराने के साथ उससे भी अधिक उचाई में कोयल भरते हुये खुलेआम ओवर लोडिंग करते हुये सड़को पर जिस तरह दौड़ते हुये देखे जा रहे है। वह निश्चित तौर से परिवहन विभाग की मिली भगत की सच्चाई को उजागर करते हुये प्रतीत होने से नही चूक रहे है..? क्योंकि किसी भी वाहन में लगी हुई ट्राली का अतिरिक्त निर्माण कराते हुये उपयोग करना निश्चित तौर से यातायात नियमों के विपरित माना जाता है। मगर इसके बाद भी गोटीटोरिया से निकलकर गाडरवारा होते हुये गरधा मार्ग से निवारी तक पहुंचने वाले इन डम्फरों को अनदेखा किया जाना परिवहन विभाग के साथ पुलिस की भूमिका पर भी सबाल खड़े करने से नही चूक रहे है..?

सड़क पर बढ़ते वाहनों के दवाव से बन रहा खतरा, वायपास मार्ग की उठने लगी मांग

हरिभूमि न्यूज/कौंडिया। इस समय देखा जा रहा है कि संपूर्ण क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या के चलते सड़कों पर धमाचौकड़ी मची रही है, वही दूसरी ओर लोडिंग वाहनो की धमाचौकडी से ग्राम के अंदर से निकले मुख्य रास्तों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय ग्राम कौड़िया में देखने मिल रही है, ज्ञात हो कि गाडरवारा करेली मुख्य मार्ग जो राज्य सड़क मार्ग में होने के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिनि वाहनों को दवाब होने के कारण दिन भर सडक पर वेखौप दौडतें वाहनों से छोटे बडे जानलेबा गंभीर दुर्घटनाए भी होते हुए देखी जाती है। जगह के अभाव में सडक परिवहन करते समय ग्राम के मुख्य रास्तो पर वाहनो की लंबी लगने वाली लाईनों के चलते जाम की स्थिति बनते हुए देखी जाती है, वही दूसरी ओर वाहन मालिको द्वारा भी सडको पर वाहनो को बेतरतीब तरीके से खडे कर दिया जाता है और अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा अपने भवनों के लिए लाई जाने वाली निर्माण सामग्री को भी इस मुख्य मार्ग के किनारे ही रख दिया जाता है जिसके चलते यातायात को प्रभावित कर जाम की स्थिति बना देते है, जिसमां प्रमुख रूप से देखा जावे तो चाय पान के ढेलो दुकानो पर छोटे वाहन चालको द्वारा सड़क पर ही अपने वाहन खडे कर चाय पान में मग्न हो जाते है। बाकी कसर आटो एवं मिनी बसो वालो द्वारा पूरी कर दी जाती है जो बीच सडक पर अपने वाहनो को खड़ा करके सवारियों का इंतजार करते है, जिसके चलते यहां से निकलने वाले लोगों की जान को सदा ही खतरा बना रहता है..? ग्राम के बीचों से निकले मुख्यमार्गों को लेकर ग्रामवासियों द्वारा शासन प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि यदि ग्राम के बाहर से वायपास मार्ग का निर्माण हो जाता है कि इस समस्या से जहां निजात मिल सकती है। वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी भी खतरे से मुक्त हो जावेगी, क्योंकि जहां मुख्य मार्ग से प्राथमिक स्कूल से लेकर हाई स्कूल लगा हुआ है, वही ग्राम के अनेक बैको सहित पोस्ट आफिस भी सड़क के किनारे होने के कारण सड़क पर दिन भर भीड़ भाड़ की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। जबकि सड़क घटनाओं में अनेक लोगों की जाने भी जा चुकी है। ग्राम के अंदर आये दिन निर्मित होने वाली इस स्थिति को लेकर लोगों द्वारा ग्राम कौड़िया के बाहर से वायपास मार्ग निर्माण की मांग की जाने लगी है जिससे लोगों के यातायात में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मेढ़ बंधान योजना की मलाई से लाल पड़ रहे अधिकारी व पंचायतों के जनप्रतिनिधि, शिकायतों के बाद जांच के नाम पर निभा ली जाती है मात्र औपचारिकता..?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां एक ओर शासन द्वारा आमजन व किसानों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक योजनाएं चलाकर उनका भला किया जा रहा है। मगर योजनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह मात्र कागजों तक ही सीमित रहते हुये नजर आ रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित होने वाली मेढ़ बंधान योजना में भी दिखाई पड़ रही है..? बताया जाता है कि इस योजना के तहत किसानों के खेतों पर किये जाने वाले पंचायतों द्वारा मेंढ बंधान योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहते हुए देखी जा रही है। इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर पंचायतों द्वारा किसानों के खेतो पर जिस प्रकार से मेढ़ बंधान कार्य कराते हुए पैसा निकाला गया है। बताया जाता है कि शासन की मेढ़ बंधान के कार्यो में जमकर अनियमितातायों जानकारियाँ मिलना अब आम बात हो चुकी है, जिसकी मलाई से जहां पंचायतों के जन प्रतिनिधि लाल पड़ रहे है और वही अधिकारी भी काजू कतरी खाने से नही चूक रहे है..? क्योंकि जहां एक तरफ शासन लाखों करोड़ों रूपये मेढ बंधान के नाम पर खर्च कर रही वही दूसरी ओर यह कार्य जनपद स्तर के अधिकारियों के सहयोग व सरपंच सचिव की कार गुजरियों के चलते यह योजना कागजों में ज्यादा शोभा बढा रही है। बताया जाता है कि बैंको में मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था तो शासन द्वारा की गई। किंतु बैकों में ऐसे खातें भी खोले गये है जो ग्रामों के वह प्रभावशाली व संपन्न कृषक शामिल है जो कभी पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यो में जाकर खड़े तक नही होते है। किंतु बैंको में सबसे पहले भुगतान इन्ही का होते हुये देखा जा रहा है..? क्योंकि अनेक पंचायतों में अधिकारियों व ग्राहक सेवा केन्द्र के नाम पर संचालित होने वाली क्यूसक बैकों के माध्यम से पंचायतों में इसी तरह गोलमाल किये किये जाने की चर्चाए लगातार सुनाई दे रही है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक पंचायतो के रिकार्ड में मेढ बंधान के कार्य व भुगतान ऐसे कृषकों के नाम पर भी दर्ज है जिनके खेतों में मेढ़ बधान का कार्य ही नही हुआ है..? यही नही इन कार्यो का मूल्यांकन भी संबंधित अधिकारी मौके पर न जाकर जनपद में ही बैठकर कर रहे है? यदि मस्टर रोल में दर्ज नाम व पंचायतों की भुगतान पर्ची की निष्पक्ष जांच हो जाये तो सारी स्थिति अपने आप ही स्पष्ट हो जावेगी की किस तरह मेढ बंधान के कार्यो में बंदर बाट चल रह है, जिससे पंचायतों के सरपंचों सहित विभागीय अधिकारियों के चेहरा भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे? यदि क्षेत्र की पंचातयों की सच्चाई देखी जावे तो अनेक पंचातयों में रोजगार गारंटी योजना के कार्यो में भी सैकड़ों की तादाद में फर्जी जाब कार्ड भरकर उन खातेदारों के खातों में राशि जमाकर बंदर बाट होने संबंधी शिकायत आये दिन ग्रामीणों द्वारा किये जाने के बाद भी जांच करने की जगह अधिकारियों द्वारा सरपंच सचिव से सीधे संपर्क कर संबंधित अधिकारी अपने स्वार्थ की रोटी सेक लेतें है? इतना ही नही जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि यदि किसी पंचायत की शिकायत हो जाती है तो अधिकारी के लिए अतिरक्त आय का दरबाजा खुल जाता है? ऐसे प्रकरण क्षेत्र की पंचायतों में आये दिन सुनने को मिलते रहते है? क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक पंचायतों का हाल बेहाल है, जहां धनवान व सपन्न कृषक बैंको से मजदूर बन कर भुगतान ले रहे है और वास्तविक मजदूरो का शोषण हो रहा है, जिसे सही मायने में देखा जावे तो सरकार की अधिकांश योजनाएं कागजो में ज्यादा शोभा बढ़ा रही है? ऐसा नही है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को नही है, यह सब पंचायती राज की लक्ष्मी लीला अधिकारियों की मिलीभगत की ही देन का परिणाम है कि साईकिलों पर सबार होकर चुनाव लड़ने वाले अनेक पंचातयों के सरपंच चंद वर्षो में स्कार्पियों पर घूमते हुए दिखाई देने लगते है, जिसके चलते शासन की राशि का अधिकारियों की मिलीभगत के चलते बंदरबांट होते हुए दिखाई देने लगा है?

सीतारेवा नदी की कटान से किसानों की सैकड़ों एकड़ जमीन हुई गायब, मुआवजे की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र के किसान प्रकृति की मार से लगातार जूझते हुये अपनी जिन्दगी की गाडी को खीचते चले जा रहे है। मगर चीचली क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों की जमीन सीतारेवा नदी के किनारे होने के कारण जहां बारिश के दौरान नदी में बाढ़ आने की स्थिति में उनकी फसल असुरक्षित हो जाती है तो दूसरी ओर लगातार उनकी जमीन नदी में समाहित होने से गायब होती चली जा रही है। यदि बीते हुये पांच वर्षो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस नदी के किनारे लगे हुये अनेक किसानों की कई एकड़ जमीन पानी के बहाव में समाते हुये गायब हो चुकी है। मगर आज तक शासन प्रशासन में बैठे हुये जिम्मेदारों द्वारा इस किसानों की राहत पहुंचाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया है। इस तरह हर वर्ष किसानों के रकवे में लग रही सेंध को लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नदी में बाढ का पानी आते ही उनकी जमीन की मिट्टी नदी के पानी में बह जाने के कारण खेत रेत में तब्दील हो चुका होता है। यदि राजस्व विभाग इस सच्चाई का पता लगाने के लिये खुद के माध्यम से नदी किनारे खेती करने वाले इन किसानों की जमीन की नाप कराते हुये रकवे की जांच कराये तो सैकड़ो एकड़ जमीन मौके से गायब मिलेगी मात्र कागजों में ही किसानों का रकवा दिखाई दे रहा है? मगर इसके बाद चौकाने वाली सच्चाई तो उस समय देखने मिलती है कि इन किसानों के नाम पर दर्ज भूमि नदी में समाहित होने के बाद यदि यह किसान उसी जमीन से रेत उठाने का प्रयास करते है तो प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस तरह खुलेआम प्रशासन व प्रकृति मिलकर इन किसानों की जमीन का बगैर किसी आर्थिक मदद के अधिग्रहण करते हुये चला जा रहा है। इस तरह सीतारेवा नदी में समाहित हो रही किसानों की भूमि को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा शासन प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाते हुये यह आवाज उठाई जा रही है कि जिन किसानों की जमीन नदी में तब्दील हुई है उस जगह से रेत विक्रय करने का उन्ही किसानों को अधिकार मिलना चाहिये।

जब सरकारी कार्यालियों में अधिकारी ही नहीं होगे तो फिर शासन की योजनाओं का लाभ मिलने की कल्पना कहां तक संभव हो सकती है...?

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रो के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं के जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागो में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्देश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन करते हुये शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है। निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्वी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है, क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभागो में कार्यरत कर्मचारियो के सेवानिवृत्त होने का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था।

मंडी परिसर बना गिट्टी व्यापारियों की दुकानदारी का अड्डा, नियम विरूद्व खड़े किये जा रहे ट्रक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जहां नगर की जवाहर कृषि मंडी का निर्माण किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये किया गया है जिसमें अपना अनाज बेचने के लिए आने वाले किसानों को अपने वाहन खड़े करने के साथ साथ अन्य सुविधाएं मिल सके, मगर इस समय देखा जा रहा है कि मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत के चलते जहां गिट्टी का व्यापार करने वालों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करते हुए यहां से गिट्टी की दुकानदारी की जा रही है। वही दूसरी अनेक वाहन मालिकों द्वारा मंडी परिसर में अपने वाहन खड़े करते हुए मंडी परिसर को पार्किंग स्थल बना डाला है..? इस प्रकार से मंडी परिसर को गिट्टी का कारोबार करने वालों द्वारा जिस प्रकार से उपयोग किया जा रहा है वही समझ से परे जान पड़ रहा है? इस बात का आज तक पता नही चला है कि आखिर में मंडी परिसर में गिट्टी के व्यापारियों द्वारा किसकी अनुमति से यहां पर गिट्टी रखते हुए अपना व्यापार किया जा रहा है। मगर इस प्रकार से मंडी परिसर का उपयोग अन्य दूसरे कार्यो में करना निश्चित तौर से जहां मंडी प्रशासन की उदासीनता या फिर मिली भगत की ओर संकेत देते हुए जान पड़ रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से अन्य लोगों द्वारा मंडी परिसर का दुरूपयोग किये जाने के कारण किसानों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो मंडी में किसानों की सुविधा के लिए कई टीन शैड एवं चौड़ी सड़को एवं प्लेटफार्म का निर्माण किया गया है, मगर नगर की मंडी में अक्सर देखने को मिल रहा है कि रात्रिकालीन समय में सैकड़ो की संख्या में निजी ट्रक एवं अन्य वाहन वहां पर पार्किंग होते है, जिसे देखकर ऐसा महसूस होता है जैसे जवाहर कृषि उपज मंडी परिसर में वाहन रखने के लिए गैरिज बनी हो? इसी के साथ मंडी के पीछे वाले क्षेत्र में गिट्टी सप्लाई की दुकानदारी चल रही है जो बिल्डिंग मटेरियल के सप्लायर मंडी के अंदर गिट्टी का स्टाक रखते है पूरी मंडी में अनेको स्थानों पर गिट्टी का स्टाक देखा जा सकता है, बाबजूद इसके मंडी प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं करता न ही वाहन मालिकों को वाहन खड़े करने की मना करता है जिससे मंडी प्रशासन की मिलीभगत का अंदेशा जान पड़ने लगा है? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि जब किसानों की भीड़ मंडी परिसर में होती है इसी दौरान यहां पर गिट्टी प्यापारियों के द्वारा ट्रेक्टरों से गिट्टी सप्लायी की जाती है जिसके कारण किसानों को परेशान होना पड़ता है।

24 घंटे में दो नाबालिगों की आत्महत्या से उठे कई सवाल, पुलिस जांच में जुटी

डिंडौरी।

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के आमगांव में 24 घंटे के भीतर दो नाबालिगों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना से पूरे गांव में शोक और सनसनी का माहौल है। दोनों मृतक आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पहले 15 वर्षीय छात्र ने खेत में फांसी लगाकर जान दे दी, जिसके अंतिम संस्कार में शामिल होने के कुछ घंटे बाद एक नाबालिग बालिका ने भी अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। लगातार हुई इन दो घटनाओं ने ग्रामीणों और परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है।

पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार मृतक 15 वर्षीय किशोर गांव का निवासी था और कक्षा 9वीं में अध्ययनरत था। वह पिछले तीन दिनों से दस्तावेज तैयार कराने के लिए अमरपुर जा रहा था। 11 जुलाई की रात उसकी मां ने उसे भोजन के लिए बुलाया, लेकिन उसने खाना नहीं खाया। अगले दिन सुबह करीब पांच बजे जब मां उसे जगाने पहुंची तो वह फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची,पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पोस्टमार्टम के बाद शाम को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

अंतिम संस्कार से लौटने के बाद नाबालिग बालिका ने भी दी जान

पुलिस ने बताया कि दूसरी घटना उसी दिन शाम को सामने आई। नाबालिग बालिका मृतक किशोर के अंतिम संस्कार में शामिल होने उसके घर गई थी। परिजनों के अनुसार वह वहां लगातार रो रही थी।शाम करीब चार बजे वह अपने घर लौटी। करीब पांच बजे जब परिवार के लोग घर पहुंचे तो वह भी फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम केलिए जिला अस्पताल भेजा। समाचार लिखे जाने तक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी थी।

दोनों परिवार रिश्तेदार, हर पहलू से जांच

पुलिस का कहना है कि दोनों मृतकों के परिवार आपस में रिश्तेदार हैं। प्रारंभिक जांच में दूसरी नाबालिग के सदमे में होने की बात सामने आई है, हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर लिया है और पारिवारिक, सामाजिक तथा अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गंभीरता से जांच की जा रही है।

खबर संक्षेप

सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खन्नौधी का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खन्नौधी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण, ओपीडी व्यवस्था, साफ-सफाई, अभिलेखों के संधारण तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने स्वास्थ्य केंद्र के स्टॉफ को निर्देश दिए कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने परिसर को स्वच्छता बनाए रखने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं सभी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक ने पदोन्नत रक्षित निरीक्षकों को स्टार लगाकर दी शुभकामनाएं

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने सूबेदार श्रीमती प्रियंका शर्मा, राजमति परस्ते एवं बृजलाल रोकड़े को रक्षित निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर प्रतीक स्वरूप स्टार लगाकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने पदोन्नत अधिकारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवाभाव के साथ करते हुए पुलिस विभाग की गरिमा को और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान एवं डीएसपी श्रीमती शिवाली चतुर्वेदी ने भी पदोन्नत रक्षित निरीक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

आबकारी अधिकारी ने पदोन्नत हुए उपनिरीक्षक एवं प्रधान आरक्षकों को दी शुभकामनाएं

शहडोल। मध्यप्रदेश शासन के आबकारी विभागा द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिला आबकारी अधिकारी सुश्री सावित्री भगत ने आरक्षक सहेज सिंह, गोपाल सिंह, श्रीमती शोभारानी, गजेंद्र सिंह को प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत एवं प्रधान आरक्षक से उप निरीक्षक आबकारी के पद पर पदोन्नत हुए प्रकाश मरावी को प्रतीक स्वरूप स्टार एवं फीता लगाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सहायक जिला आबकारी हनुमान सिंह, आबकारी उप निरीक्षक रजनीश कुमार तिवारी सहित अन्य लोगो ने भी पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षको एवं उप निरीक्षक को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिले में अब तक 177.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

शहडोल। तहसीलदार, भू-संसाधन प्रबंधन शहडोल ने जानकारी दी है कि 12 जुलाई 2026 को जिले के वर्षामापी केंद्र ब्यौहारी, जयसिंहनगर, गोहपारू, सोहागपुर, बुढार, जैतपुर एवं चन्नौड़ी में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इस प्रकार जिले में आज 0.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई। जिले में 1 जून 2026 से 12 जुलाई 2026 तक 177.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। विभिन्न वर्षामापी केंद्रों में अब तक दर्ज वर्षा इस प्रकार है - ब्यौहारी में 157.0 मिमी, जयसिंहनगर में 120.0 मिमी, गोहपारू में 203.0 मिमी, सोहागपुर में 172.0 मिमी, बुढार में 248.0 मिमी, जैतपुर में 186.0 मिमी तथा चन्नौड़ी में 155.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 502.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष अब तक जिले में 177.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है।

समय-सीमा बैठक में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

डिंडौरी। कलेक्टर की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, शिकायतों के त्वरित निराकरण तथा सभी समयबद्ध कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए लंबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कर जिले की रैंकिंग को ए-ग्रेड श्रेणी में लाया जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक आशीष खरे ने बताया कि साइबर सुरक्षा 2.0 अभियान के प्रभावी संचालन में डिंडौरी जिला पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित टीम को सम्मानितकिया। उन्होंने बताया कि जनजागरूकता, त्वरित कार्रवाई और विभागीय समन्वय से यह सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक ने आगामी 15 जुलाई से शुरू होने वाले नशा से दूरी अभियान" की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने तथा नशामुक्ति की शपथ दिलाने का आह्वान किया। कलेक्टर ने ई-विकास प्रणाली की समीक्षा करते हुए किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने, नियमित निरीक्षण करने और मृदा परीक्षण अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। मत्स्य विभाग को मुख्यमंत्री मत्स्य पालन योजना एवं स्मार्ट फिश पार्लर के निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर संचालन शुरू कराने तथा पशुपालन विभाग को कृत्रिम गर्भाधान, क्षीरधारा ग्राम अभियान एवं संक्रामक रोगों के टीकाकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री उद्यम क्रांति योजना, स्वरोजगार योजना, समग्र ई-केवाईसी, आधार एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण की समीक्षा करते हुए सभी ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर ने कहा कि पेड़ लगाओ, पानी बचाओ अभियान के तहत स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नर्मदा परिक्रमा मार्ग, शासकीय भवनों, सांदीपनी विद्यालयों, सड़क किनारे, तालाबों के आसपास एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर अगस्त माह तक 5 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य समय-सीमा में पूरा किया जाए।बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को नियमित शिविर लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, विभिन्न एसडीएम तथा सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएमओ ने पेयजल टंकियों का किया औचक निरीक्षण, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

नगर परिषद डिंडोरी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वेद प्रकाश पुरी गोस्वामी ने सोमवार को कलेक्टर के निर्देशों के पालन में नगर क्षेत्र में संचालित अमृत 2.0 योजना के तहत निर्मित एवं निर्माणाधीन पेयजल टंकियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेने तथा शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा।निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, कार्य की प्रगति, तकनीकी मानकों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद तकनीकी अधिकारियों, उपयंत्रियों और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि शेष सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्माण गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सीएमओ ने नगर में शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पाइपलाइन एवं जल वितरण प्रणाली को शीघ्र क्रियाशील करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 योजना के माध्यम से नगर के प्रत्येक घर तक स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए निकाय स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और औचक निरीक्षण लगातार जारी रहेंगे।उन्होंने चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी या लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण के दौरान नगर परिषद के उपयंत्री यशवंत मसराम एवं आशीष कोरी, जल प्रदाय शाखा के प्रभारी, निर्माण एजेंसी के इंजीनियर तथा विभागीय मैदानी अमला उपस्थित रहा।

तम्बाकू नियंत्रण कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें: कलेक्टर

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के अंतर्गत जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक एवं विभागीय अधिकारियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में तम्बाकू नियंत्रण कानून (कोटपा-2003) के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता अभियान की समीक्षा की गई।कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में तम्बाकू नियंत्रण कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। कार्यक्रम में एमपीवीएचए के संभागीय समन्वयक रोहित पालीवाल ने कोटपा-2003 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि तम्बाकू सेवन के कारण देश में प्रतिवर्ष लगभग 13 से 14 लाख लोगों की मृत्यु होती है। उन्होंने बताया कि अधिनियम की धारा-4 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है, जबकि धारा-5 के अनुसार तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन, प्रचार-प्रसार एवं प्रायोजन पर रोक है। धारा 6(अ) के तहत 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तम्बाकू उत्पादों की बिक्री प्रतिबंधित है तथा धारा 6(ब) के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पादों का विक्रय निषिद्ध है। तम्बाकू उत्पादों पर चित्रमय स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित करना भी अनिवार्य है।बैठक में अधिकारियों को बताया गया कि प्रदेश में हुक्का बार का संचालन एवं इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। साथ ही तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान एवं तम्बाकू मुक्त गांव विकसित करने संबंधी भारत सरकार के दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की भी जानकारी दी गई।बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जे.पी. यादव, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक, जिला क्षय अधिकारी डॉ. मनोज, जिला नोडल अधिकारी (एनटीसीपी) डॉ. धर्मवीर मार्को सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेहंदवानी में आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण, कई विकास कार्यों का भूमि पूजन

डिंडौरी।

आकांक्षी विकासखण्ड मेहंदवानी में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और बाल विकास सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में सोमवार को कई विकास कार्यों की शुरुआत हुई। शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने ग्राम पंचायत जैतपुरी एवं सारंगपुर में नवनिर्मित आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण किया, वहीं विभिन्न ग्रामों में नए निर्माण कार्यों का भूमि पूजन भी किया।कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत फुलवाही के ददरा टोला तथा ग्राम पंचायत मेहंदवानी के गांजर टोला एवं बगई टोला में नवीन आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण का भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत जैतपुरी में सीसी रोड निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री धुर्वे ने कहा कि नए आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल शिक्षा से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आधारभूत अधोसंरचना के विकास से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमोद ओझा, बद्री साहू, दुर्गेश साहू, सहायक यंत्री हृदय परस्ते, आकांक्षी विकासखण्ड फेलो सर्वेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के तहत शिक्षकों का क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित

डिंडौरी। आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के अंतर्गत डिंडौरी विकासखंड के अझवार, जमगांव, बटौंधा, विक्रमपुर एवं शाहपुर संकुल के माध्यमिक तथा एकीकृत माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए वर्ष-3 मॉड्यूल पर एक दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर राहुल शुक्ला, शैलेन्द्र तिवारी एवं सहदेव सिंह सैयाम ने शिक्षकों को सक्षम कार्यक्रम के सत्रों की गुणवत्ता, सत्र संचालन की प्रक्रिया, प्रमुख घटकों तथा विद्यार्थियों में होने वाले व्यवहारिक बदलावों की पहचान और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी।इस अवसर पर सक्षम कार्यक्रम के जिला प्रबंधक महारन प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रबंधक नीरज तिवारी एवं अमित शुक्ला भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि विद्यालयों में सक्षम जीवन कौशल सत्रों का नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा सकारात्मक जीवन कौशल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत धमनगांव में 15 हजार पौधे लगाए गए

डिंडौरी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत सोमवार को विकासखंड डिंडौरी के धमनगांव (जोगीटिकरिया) में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत 30 हेक्टेयर क्षेत्र में 15 हजार फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, वनमंडलाधिकारी अशोक कुमार सोलंकी, एसडीओ (आईएफएस) विशाल कुमार, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं वनमंडलाधिकारी ने विधिवत पूजन-अर्चन के बाद पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी पौधे लगाकर अभियान में सहभागिता निभाई।इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक पौधारोपण के साथ उसके संरक्षण और संवर्धन का भी संकल्प ले। पौधों के सुरक्षित और विकसित होने से ही पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य पूरा होगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया तथा आमजन से अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने की अपील की।

विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल में छात्र-छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय की किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता द्वारा विद्यार्थियों को किशोर स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

नाम परिवर्तन सूचना

मै तकाज अहमद मंसूरी पिता श्री सिराज अहमद, जाति मोमिन, आयु 34 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 08 डिण्डौरी तहसील व जिला डिण्डौरी मध्यप्रदेश का निवासी हूँ । मेरा नाम तकाज अहमद मंसूरी है तथा इसका अंग्रेजी रूपान्तरण TAKAZ AHMED MANSOORI है। मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड में मेरा नाम यही लिखा हुआ है । मेरी दसवी एवं अन्य सभी शैक्षणिक अंकसूची में लिपिकीय त्रुटिवश मेरा नाम अंग्रेजी शब्दावली में TAKAZ AHMED MANSOORI के स्थान पर TAKAJ AHMAD MANSOORI लिख दिया गया है। अतएव मेरे सभी शासकीय, अशासकीय दस्तावेजों में शैक्षणिक अंकसूचियों में मेरा नाम TAKAJ AHMAD MANSOORI के स्थान TAKAZ AHMAD MANSOORI लिखा एवं पढा जावे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक संपन्न

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पंकज टेकाम के प्रथम नगर आगमन को लेकर रूपरेखा तैयार कर उनका कार्य विभाजन किया गया एवं डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म का प्रशिक्षण उपस्थित कार्यकर्ताओं को दिया गया ।बैठक में जिला अध्यक्ष भाजपा रामस्नेही पाठक मोर्चा जिला प्रभारी गुरुप्रसाद धुर्वे जिला मंत्री सुश्री दुर्गेश नंदनी उइके अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिलाध्यक्ष रामकुमार ठाकुर सहित मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने किया वृक्षारोपण

तेंदूखेड़ा। सोमवार को शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने अपने तेंदूखेड़ा प्रवास के दौरान शोकाकुल परिवारों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।इसी क्रम में नगर के प्रतिष्ठित चौबे परिवार में सद्गुरु वेद विद्यापीठ पहुंचे जहां उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती विद्या बाई चौबे के निधन पर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें शोक संवेदनाएं व्यक्त की। दिवंगत आत्मा की पावन स्मृति में शिक्षा ने सद्गुरु वेद विद्यापीठ परिसर में वृक्षारोपण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान नगर परिषद के अध्यक्ष विष्णु शर्मा नगर पुरोहित पं. सत्यनारायण चौबे रविकांत चौबे शशिकांत चौबे सद्गुरु वेद विद्यापीठ के संचालक आचार्य पं. चंद्रकांत चौबे सूर्यकांत चौबे मनीष चौबे प्रिंस चौबे संतोष चौबे तथा करुणा चौबे सहित चौबे परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

अजय भारद्वाज का निधन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस संजय वार्ड निवासी अजय भारद्वाज मुन्ना भैया का अस्वस्थता के चलते निधन हो गया। आप सेवानिवृत शिक्षिका सुश्री शशि भारद्वाज, आनंद भारद्वाज बब्लू के बड़े भाई व अश्विन भारद्वाज के पिता थे। जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्ति धाम में किया गया जहां पर समाज के सभी वर्गो द्वारा श्रद्धांजलि दी गई।

महिला ने लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र मुंगवानी के ग्राम बरहटा शीलाबाई ठाकुर पति खेमचन्द ठाकुर उम्र 42 वर्ष ने रविवार की शाम करीब साढ़े 5 बजे अपने ही घर के पीछे अमरूद के पेड़ में साड़ी के फन्दे से लटककर फांसी लगा ली परिजनों ने जब उसे फाँसी के फन्दे पर लटका देखा तो उन्होंने उसे साड़ी काटकर नीचे उतारा और पुलिस को सूचना देकर जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया और शव को शवगृह में रखवाया गया। वही मुंगवानी पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया हैं। वही मामले की जांच में जुटी हुई है।

हितग्राही मूलक योजनाओं के शिविरों की प्रतिदिन करें मॉनिटरिंग

मूंग उपार्जन में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं: कलेक्टर

टीएल बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) की बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मूंग उपार्जन, हितग्राही मूलक योजनाओं के शिविर, सीएम हेल्पलाइन, राजस्व प्रकरणों तथा विभिन्न आयोगों से प्राप्त मामलों की समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश और विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे। बैठक में मूंग उपार्जन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 19 उपार्जन केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से 11 केंद्रों पर खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। शेष केन्द्रों पर शीघ्र ही खरीदी शुरू होगी। किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया भी लगातार जारी है तथा अब तक 7,129 स्लॉट बुक किए जा चुके हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों को अपने-अपने क्षेत्र में रिक्त शासकीय भवनों की सूची तैयार कर शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

मानक के अनुरूप हो मूंग की खरीदी

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि स्लॉट बुक कराने वाले किसानों में से कितने किसान केंद्रों पर पहुंचकर मूंग उपार्जन कर चुके हैं, इसकी पृथक सूची तैयार की जाए, ताकि खरीदी की वास्तविक प्रगति का प्रभावी आकलन किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रतिदिन उपार्जन केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल एफएक्यू मानक के अनुरूप मूंग की ही खरीदी की जाए। मूंग उपार्जन में किसी भी तरह से गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। इसके लिए केंद्रों पर नियमित रूप से नमूने लेकर गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित की जाए, जिससे पारदर्शिता एवं गुणवत्ता बनी रहे।

कलेक्टर ने जताई नाराजगी

बैठक में हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 8 जुलाई से लगाए जा रहे शिविरों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को प्रतिदिन शिविरों की मॉनिटरिंग करने और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। विदित है कि शिविरों में किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं

समय सीमा पर हो शिकायतों का निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सी एवं डी ग्रेड में आने वाले विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण के माध्यम से रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 100 दिवस से अधिक समय से लंबित राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा कर इनके शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर दिया। विभिन्न आयोगों से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि सभी विभाग समय-सीमा के भीतर तथ्यात्मक एवं गुणवत्तापूर्ण प्रतिवेदन प्रस्तुत करें, ताकि प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने, अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।

साथ रहकर तुम्हारे तुम्हारी ना हो, ऐसी शहजादियों का भरोसा नहीं..

वैश्य महासम्मेलन द्वारा काव्यमयी आयोजन ''अभिव्यंजना'' में गूंजी कविताएं..

करेली। नगर की सामाजिक रचनात्मक संस्था वैश्य महासम्मेलन एवं करेली सिंगिंग ग्रुप बीसी परिवार करेली के द्वारा गत रविवार को एक काव्यमयी शाम ''अभिव्यंजना'' का आयोजन नगर के बीएसएल पब्लिक स्कूल सभागार में आयोजित किया गया। इस साहित्यिक आयोजन में जहां गीत गजल कविताओं की प्रस्तुति से माहौल में चार चांद लगे तो वहीं लखनऊ उत्तर प्रदेश से पधारी मधुर स्वर की धनी सुश्री हेमा पांडे के गीत गजलों ने ऐसा समां बांधा कि लोग तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। उन्होंने कहा कि 'प्रेम के पंथ पर मैं चलूं, तुम चलो..मैं ढलूं तुममें और तुम भी मुझमें ढलो..वर्तिका मैं बनूंगी तुम्हारे लिए, मेरे खातिर अगर दीप बनकर तुम जलो.. गीत गजल सुनाकर खूब माहौल बनाया। जिले के युवा कवि व हास्यविधा में निपुण, सोशल मीडिया पर सर्वाधिक लोकप्रिय कवि विकास बैरागी गुरु ने अपने हास्यमयी अंदाज से कहा कि 'रील बन रही चौबीस घंटे, नहीं कर रही काम, चलाती दिनभर इंस्टाग्राम सहित हास्य मुक्तको छंदों व महादेव स्त्रोतम..जिनके ध्यान मात्र से पूरे होते काम है, ऐसे नीलकंठ योगी को मेरा प्रणाम है..के माध्यम से श्रोताओं के दिलों को गुदगुदाया तो वही रोहित सेन ने अपने ओजस्वी तेवर से छंदों की प्रस्तुति देकर खूब श्रोताओं के दिलों में फूल खिलाए। नगर के युवा शायर अंशुल नादान ने भी अपनी शायरी से माहौल बनाया उन्होंने कहा कि 'इन हसीं वादियों का भरोसा नहीं, इतनी आजादियों का भरोसा नहीं, साथ रहकर तुम्हारे तुम्हारी ना हो, ऐसी शहजादियों का भरोसा नहीं..कहकर वर्तमान परिदृश्य को रेखांकित किया। ग्राम मोहद के मिमिक्री आर्टिस्ट रामबल्लभ तिवारी ने अपने बेहद मिमिक्री अंदाज मे अनरव व लोकगीत की प्रस्तुति व रचनाओं की यूं बहार बहाई जिसमे सभी लोगों ने खुशनुमा माहौल में तालिया की कड़कड़ाहट के बीच आनंद लेते रहे। पंकज गुप्ता पंकज ने अपनी गाजल की प्रस्तुति दी तो श्रीमती आभा गुप्ता ने जीवन दर्शन को लेकर अपनी रचना का पाठ किया, श्रीमती सीमा कोहली ने भी बहुत ही सुंदर गाजल की प्रस्तुति दी तो श्रीमती प्रज्ञा लूनावत ने मां पर रचना सुनाई। कार्यक्रम के पूर्व मां सरस्वती प्रतिमा

समक्ष पूजन अर्चन किया गया तदुपरांत सभी कवियों का मोती माला, तिलकाभिनंदन व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व सम्मान वैश्य महासम्मेलन परिवार ने किया। मां वीणावादिनी की सुरमय वंदना हेमा पांडे द्वारा की गई तो वहीं मुक्तकों के जरिए कार्यक्रम का कुशल संयोजन व संचालन अमित जैन संजय ने किया। इस खास मौके पर वैश्य महासम्मेलन एवं करेली सिंगिंग ग्रुप बीसी परिवार के साथी एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही। देर रात्रि तक चले कार्यक्रम मे चाट चटनी एवं गोलगप्पे, चाय काफी का आनंद भी सभी ने लिया। इस मौके पर वैश्य महासम्मेलन के साथी एवं पदाधिकारी जनों में सुधीर जैन, मुकेश सिंघई, संजय बृजपुरिया, पंकज गुप्ता राइस, राकेश बड़कुर, कौशल नेमा, मनीष लूनावत, धर्मेंद्र नेमा, चेतन लूनावत, नीलेश नायक, डां. पंकज नेमा, चंचल गुप्ता, नवीन मरेले, शितांशु बड़कुर शानू, विजय बड़कुर, अनुराग अग्रवाल, विमल कोहली, अवनीश गुप्ता, प्रदीप साहू, महिला ईकाई से श्रीमती आभा गुप्ता, श्रीमती स्वीटी बृजपुरिया, श्रीमती मीना बड़कुर, श्रीमती श्रद्धा बड़कुर, श्रीमती सविता नेमा, श्रीमती प्रज्ञा लूनावत, श्रीमती रानी ओसवाल, श्रीमती संगीता नेमा, श्रीमती नीलू साहू, श्रीमती सीमा कोहली, श्रीमती मुक्ता मरेले सहित सभी श्रोताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आभार वैश्य महासम्मेलन परिवार के तहसील अध्यक्ष संजय बृजपुरिया ने जताया।

व्यापारी पर जानलेवा हमला कर की लूट, कार में की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शादी समारोह से लौट रहे व्यापारियों के साथ रास्ते में मारपीट और लूटपाट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित शिवेंद्र नेमा ने पुलिस अधीक्षक को दी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि 12 जुलाई 2026 की रात्रि करीब 1:50 बजे करेली में पी.एस. होटल के पास उनके साथ जानलेवा हमला किया गया। आवेदक के अनुसार, वे अपनी कार से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में खड़ी गाड़ियों के कारण मार्ग अवरुद्ध था। जब उन्होंने गाड़ियां एक तरफ करने का आग्रह किया, तो वहां मौजूद ईशु यादव, अनुराग यादव, अंशू जाट, गौरव शर्मा और आदित्य सेन ने लोहे की रॉड और लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में आवेदक और उनके साथियों को गंभीर चोटें आई हैं। शिकायत में मुख्य रूप से यह आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने पीड़ति के साथी गौरव वासवानी के गले से सोने की चेन और हाथ की अंगूठी भी लूट ली और जाते समय कार में तोड़फोड़ की। पीड़ति का आरोप है कि घटना के बाद उन्होंने इस गंभीर लूटपाट की घटना को एफआईआर में दर्ज करने के लिए करेली पुलिस को आवेदन दिया था, लेकिन पुलिस ने लूट की घटना (चेन व अंगूठी) का एफआईआर में कोई उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज की जांच करने, लूट की धाराएं जोड़ने और नामजद आरोपियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की है।

स्व. हरि विष्णु कामध जयंती पर करेली में दी गई श्रद्धांजलि, योगदान को किया याद

करेली। स्वर्गीय श्री हरि विष्णु कामध जयंती पर स्टेडियम करेली में मूर्ति पर मालयार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर पूर्व राज्यसभा सांसद श्री कैलाश सोनी एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार ने श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर श्री सोनी ने कहा कि कामध जी 1977 में होशंगाबाद क्षेत्र से सांसद रहे संविधान निर्माण समिति के सदस्य भी रहे सुभाष चंद्र बोस से मुलाकात कर देश की स्वतंत्रता संग्राम में अपना विशेष योगदान दिया वे बड़े विचारक थे क्षेत्र के विकास के लिए बरमान सतधारा पुल का निर्माण करा कर करेली से सागर आने जाने वालों को बड़ी सुविधा दिलाई रेल सुविधाओं में उन्होंने इटारसी जबलपुर शटल की शुरुआत कर आम आदमी की मूलभूत सुविधाओं को समझ कर होशंगाबाद क्षेत्र के विकास के लिए अपना योगदान दिया श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर पालिका के पार्षद गण भाजपा के कार्यकर्ता लोकतंत्र सेनानी गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

दंडवत होकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन, किसान हितों की मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

गोटेगांव। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किसान हितों को लेकर अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता दंडवत करते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे और एसडीएम संघमित्रा गौतम को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी की सीमा 100 प्रतिशत करने, ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने, किसानों को नकद भुगतान पर खाद उपलब्ध कराने तथा खाद की बढ़ी कीमतें कम करने की मांग की गई। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा देने, गोटेगांव मंडी में किसानों के हरे मटर की लगभग 2.50 करोड़ रुपये की बकाया राशि का भुगतान कराने, दोषियों पर कार्रवाई, शुगर मिलों का बकाया गन्ना भुगतान ब्याज सहित कराने, मुख्यमंत्री ट्रांसफार्मर योजना पुनः शुरू करने तथा किसानों को 12 घंटे सिंचाई हेतु बिजली उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।कांग्रेस नेताओं ने किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने और भारत-अमेरिका ट्रेड डील को निरस्त करने की भी मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्लॉट बिक गए, सुविधाएं कहां हैं?

गोटेगांव। नगर में तेजी से विकसित हो रही कई कॉलोनियों में आज भी बिजली, पानी, सड़क, नाली और पार्क जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। हजारों परिवार मूलभूत सुविधाओं के बिना रहने को मजबूर हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कालोनाइजरों ने प्लॉट बेच दिए, लेकिन कॉलोनियों के विकास संबंधी अपने वादे पूरे नहीं किए। बरसात में कच्ची सड़कें कीचड़ में तब्दील हो जाती हैं, नियमित पेयजल व्यवस्था नहीं है, बिजली की लो-वोल्टेज और कटौती आम समस्या है तथा नालियां नहीं होने से गंदगी और बीमारियों का खतरा बना रहता है।नागरिकों का कहना है कि कई कॉलोनियों

में बच्चों के खेलने और बुजुर्गों के बैठने के लिए पार्क तक उपलब्ध नहीं हैं। लोगों ने जिला प्रशासन, नगर परिषद एवं संबंधित विभाग से बिना सुविधाओं वाली कॉलोनियों का सर्वे कराने, दोषी कालोनाइजरों पर कार्रवाई करने तथा छह माह के भीतर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

श्री सत्य साईं सेवा समिति ने सैनिक स्कूल में किया वृक्षारोपण, महिलाओं को दिया आत्मनिर्भरता का संदेश

गोटेगांव। सेवा, संस्कार और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से श्री सत्य साईं सेवा समिति द्वारा मणिनागेंद्र सिंह सैनिक स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।सभी ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। समिति के सदस्यों ने कहा कि पेड़ हमें निःस्वार्थ रूप से ऑक्सीजन, फल, छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। इसलिए केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना भी प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।
वक्ताओं ने जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकृति की रक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने प्रत्येक परिवार से कम से कम एक पौधा लगाने तथा अपने पूर्वजों की स्मृति में भी वृक्षारोपण करने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान समिति ने महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण शुरू करने की घोषणा भी की। समिति ने इसे महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक रोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

वेयर हाउस और घरों में अनाज की चोरी करने वाले गिरोह आया पुलिस गिरफ्त में

तेंदूखेड़ा। जिले में संगठित अपराधों और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत तेंदूखेड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अनाज चोरी करने वाले एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पाँच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा चोरी कर अनाज बेचने की फिराक में हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपियों को मौके पर धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार भी किया है।

इन वारदातों का हुआ खुलासा

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों ने दो प्रमुख घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है जिसमें 19 मार्च 2026 को वेयर हाउस से 88000 रुपये मूल्य की मूंग और चना चोरी की 11 जुलाई 2026 को ग्राम रम्पपुरा में एक किसान के घर से 95000 रुपये कीमत की 14 बोरी मूंग और 7 बोरी चना चोरी किया पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चौदह कट्टी मूंग सात कट्टी चना दस हजार रुपये नगद और घटना में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें जब्त की हैं। गिरफ्तार आरोपियों में सुमित यादव 18 वर्ष अमित कुर्मी 23 वर्ष राजा ठाकुर 19 वर्ष संतोष कुशवाहा 26 और एक 17 वर्षीय नाबालिग किशोर भी शामिल हैं।

इनकी रही सक्रिय भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के निर्देशन और एसडीओपी अभिनव मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक किशोर वामनकर सउनि जितेंद्र राजपूत प्रआर संजय शाह आरक्षक नारायण मराबी सुधीर चांडी बहादुर कुशवाहा लखनलाल अहिरवार और हेमंत लोधी की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम की इस प्रभावी कार्यशैली की सराहना की है।

खेरुआ के टीकाराम और घुअरपुर के हनुमत सिंह कर रहे पारिवारिक जीविकापार्जन

परम्परागत फूलों की खेती से संवारा जीवन

तेंदूखेड़ा। खेती में लाभ कमाने के लिए बड़ी जमीन और भारी निवेश की जरूरत होती है। लेकिन हमारे क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने इस मिथक को तोड़कर एक नई राह दिखाई है। खेरुआ मदनपुर के टीकाराम कुशवाहा और घुअरपुर के हनुमत सिंह कुशवाहा ने नवाचार करते हुए फूलों की बागवानी को अपनाकर न केवल आत्मनिर्भरता हासिल की है। बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए एक बड़ी मिसाल पेश की है।

छोटे रकबे में बड़ी सोच

खेरुआ मदनपुर निवासी टीकाराम कुशवाहा बताते हैं कि मात्र आधा एकड़ भूमि पर फूलों की बागवानी शुरू की। पहले वे भी अन्य किसानों की तरह पारंपरिक फसलों पर निर्भर थे। जिसमें लागत अधिक और मुनाफा अनिश्चित होती थी ।फूलों की खेती ने उन्हें आर्थिक सुरक्षा दी है। आज उनके खेत के ताजे फूल रोजाना तेंदूखेड़ा नगर के बाजारों में पहुँचते हैं। जहाँ उनकी गुणवत्ता की जबरदस्त मांग है। वे कहते हैं यदि किसान धैर्य और सही तकनीक अपनाए तो कम जमीन पर भी शानदार मुनाफा कमाया जा सकता है।

बड़े स्तर पर फूलों की सप्लाई कर रहे हनुमत सिंह

इस नवाचारी मुहिम को आगे बढ़ाने में घुअरपुर निवासी हनुमत सिंह कुशवाहा का योगदान भी सराहनीय है। हनुमत सिंह के पास कुल एक हेक्टेयर जमीन है जिसमें से वे एक एकड़ में फूलों की व्यवस्थित खेती कर रहे हैं।
हनुमत सिंह की मेहनत का दायरा केवल स्थानीय बाजारों तक सीमित नहीं है। वे बताते हैं कि उनके खेतों में तैयार फूल और आकर्षक फूल मालाएं तेंदूखेड़ा के अलावा रायसेन के बड़े शहरों और प्रसिद्ध सिद्ध धाम 'छींद मंदिर' तक भेजी जाती हैं। अपने 8 सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण करते हुए हनुमत सिंह सालाना 4 से 5 लाख रुपये तक की कमाई कर रहे हैं।इन किसानों की सफलता यह प्रमाणित करती है कि सीमित संसाधनों में भी यदि सही दिशा में नवाचारी कदम उठाए जाएं तो खेती एक बेहद मुनाफे का सौदा बन सकती है। त्यौहारों पर मांग के अनुसार बाहर से भी फूल

बुलाकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।अब क्षेत्र के अन्य किसान भी इन प्रगतिशील किसानों से प्रेरणा लेकर पारंपरिक खेती के साथ-साथ फूलों की बागवानी को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। टीकाराम और हनुमत सिंह जैसे किसान इस बात का जीवंत उदाहरण हैं कि मेहनत लगन और नई सोच से खेती को एक नए आयाम दिए जा सकते हैं।